एमएसओ

समाजशास्त्रमें स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2021 एवं जनवरी 2022 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

ऐच्छिकपाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य

एमएसओई 001 : शिक्षा का समाजशास्त्र
एमएसओई 002 : प्रवासी और पराराष्ट्रीय समुदाय
एमएसओई 003 : धर्म का समाजशास्त्र
एमएसओई 004 : नगरीय समाजशास्त्र
एमपीएस 003 : भारत : लोकतंत्र और विकास
एमपीए 016 : विकेंद्रीकरण एवं स्थानीय शासन

समाजशास्त्रसंकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ

सत्रीय कार्य कोड : एमएसओई-001, 002, 003, 004, एमपीएस-3, एमपीए-16/

सत्रीय कार्य/टीएमए/2021–22

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र मेंस्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) केसदंर्भ मेंकायर्क्रम दर्शिका मेंहमने बताया है कि समाजशास्त्र केप्रत्येक पाठयक्रम केलिए आपकोएक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जुलाई 2021 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**31 मार्च, 2022**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जनवरी 2022 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2022**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्य करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ़ें। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फिर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन :** पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति :** अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और ज़रूरी बिंदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई–001: शिक्षा का समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड: एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड: एसएसओई–001
सत्रीय कार्य कोड: एमएसओई–001/सत्रीय कार्य/टीएमए/2021–22

अधिकतम अंक: 100
अधिभारिता: 30%

भाग–I और भाग–II से किन्हीं पाँच प्रश्नों (कुल 100 अंकों तक) के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग–I

इस भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. भारत में शिक्षा के संदर्भ में सकारात्मक भेदभाव और सकारात्मक कार्रवाई के मुद्दे की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 20

2. क्या शिक्षा लोकतंत्रीय व्यवस्था को सुगम बनाती है? चर्चा कीजिए। 20

3. समाजीकरण और शिक्षा के प्रक्रमों के बीच के मुख्य अंतरों को उजागर कीजिए। 20

4. बुनियादी स्तर पर शिक्षा के प्रति नवीन पहलों की आलोचनात्मक चर्चा, विशेष रूप से होशंगाबाद शिक्षण कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए कीजिए। 20

5. शिक्षा के आशय आदर्श राज्य में सामाजिक भूमिका का निर्माण करना है। चर्चा कीजिए। 20

भाग–II

इस भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

6. बहुसांस्कृतिक शिक्षा क्या है? समकालीन समाज में इसकी प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए। 20

7. प्राथमिक स्तर के अध्यापक–प्रशिक्षण में दूर शिक्षा की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20

8. उच्चतर शिक्षा पर वैश्वीकरण एवं मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था के प्रभाव की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

9. भारत में शैक्षिक सुधारों हेतु नीति ढाँचे की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 20

10. भारत में उच्चतर शिक्षा से जुड़ी मुख्य चुनौतियों की चर्चा कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में वैकल्पिक पाठ्यक्रम
एमएसओई–002 : प्रवासी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओई–002
सत्रीय कार्य कोड : एमएस ओई–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2021–22

कुलअंक : 100
अधिभार : 30%

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग में कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग - क

1 चीन के डायस्फोरा के स्वरूप का संक्षेप में परीक्षण कीजिए। 20

2 स्वतंत्र भारत में भारतीय डायस्फोरा के यूरोप आप्रवास के पैटर्नो का वर्णन कीजिए। 20

3 फिजि में भारतीय डायस्फोरा के स्वरूप की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए। 20

4 भारतीय उत्प्रवास के पांच पैटर्नो पर टिप्पणी लिखिए। 20

भाग- ख

5 प्रवासी भारतीयों के डायस्फोरा संबधी अनुभवो को उजागर करने में, साहित्य की भूमिका की, कनाडा के संर्दभ में, चर्चा कीजिए। 20

6 विदेशों में रहने वाले भारतीयो के लिए बन रही भारत राज्य की नीतियों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

7 साइबर स्पेस में भारत के आभासी समुदायों के स्वरूप का वर्णन कीजिए। 20

8 सयुंक्त राज्य अमरीका में भारतीयो को आदर्श अल्पसंख्यक समुदाय क्यों माना जाता है? 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई–003: धर्म का समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड: एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड: एसएसओई–003
सत्रीय कार्य कोड: एमएसओई–003/सत्रीय कार्य/टीएमए/2021–22

अधिकतम अंक: 100
अधिभारिता: 30%

भाग–I और भाग–II से किन्हीं पाँच प्रश्नों (कुल 100 अंकों तक) के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग–I

इस भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. धर्म किस नजरिए से एक हीलिंग (स्वास्थ्यकर) प्रक्रिया है? अपना उत्तर उचित उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए। 20
2. मैक्स वेबर के परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए समाज में धार्मिक जानकारों की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20
3. धर्म पर आधारित दर्खिम के दृष्टिकोण की जाँच कीजिए। 20
4. धर्म के अध्ययन पर मार्क्सवादी दृष्टिकोण की जाँच कीजिए। 20
5. नुअर समाज में पीरों एवं पैगम्बरों की भूमिका का वर्णन कीजिए। 20

भाग–II

इस भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

6. शिरडी के सांई बाबा नामक पंथ के व्यापक प्रसार में योगदान देने वाले मुख्य कारणों की चर्चा कीजिए। 20
7. "धर्म एक सांकेतिक/प्रतीकात्मक व्यवस्था है" चर्चा कीजिए। 20
8. 'टोटमवाद' क्या है? यह मनुष्यों (संस्कृति) और प्रकृति के संबंध को कैसे प्रतिविंबित करता है? 20
9. समाज में धर्म के भविष्य पर पीटर बर्जर के दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए। 20
10. निम्नलिखित पर संक्षेप में नोट लिखिए: 20
    (i) धर्मातंरण
    (ii) संप्रदायवाद

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर
एमएसओई–004: नगरीय समाज
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड: एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड: एमएसओई–004
सत्रीय कार्य कोड: एमएसओई–004/सत्रीय कार्य/टीएमए/2021–2022

अधिकतम अंक: 100
अधिमारिता: 30%

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में अवश्य दीजिए।

<u>भाग – I</u>

1. 'नगर' की संकल्पना की परिभाषा दीजिए। भारतीय नगरीय क्षेत्रों को औपचारिक रूप से कैसे सीमांकित किया जाता है? चर्चा कीजिए। 20

2. नगर के अध्ययन के संबंध में पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण से आप क्या समझते हैं? चर्चा कीजिए। 20

3. ई–डब्ल्यू बर्गेस के शब्दों में नगर की संरचना का वर्णन कीजिए। 20

4. भारतीय नगरों में परिवार की बदलती प्रकृति की चर्चा, उचित उदाहरण देते हुए कीजिए। 20

5. नगर के अध्ययन के संबंध में राजनीतिक अर्थव्यवस्था संबंधी दृष्टिकोण आविर्भाव की चर्चा कीजिए। 20

भाग – II

6. भारत में ग्रामीणता, नगरीयता को कैसे प्रभावित करती है? कृषक आंदोलन के मद्देनजर आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

7. नगरीय भारत में असंगठित श्रम की प्रकृति और इनकी भूमिका का वर्णन कीजिए। 20

8. क्या आपकी राय में भारत के नगरों का प्रदूषण, यहाँ रहने वालों की कार्य–क्षमता को प्रभावित कर रहा है? चर्चा कीजिए। 20

9. समकालीन नगरीय शासन में मीडिया की भूमिका की चर्चा, उचित उदाहरण देते हुए कीजिए। 20

10. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए: 10X2
   (क) मेट्रो सिटी
   (ख) तीर्थ नगर
   (ग) नगरीय–नियोजन
   (घ) नगरीय शासन

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2021-22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. चर्चा कीजिए कि किस प्रकार लोकतंत्र और विकास एक दूसरे से सह–संबंधित हैं।

2. भारत में संघीय व्यवस्था की कार्यप्रणाली का विश्लेषण कीजिए।

3. भारतीय लोकतंत्र में 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के महत्व की चर्चा कीजिए।

4. भारत में संसदीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः

   क) नक्सलबाड़ी किसान विद्रोह
   ख) मानव विकास के संकेतक

भाग – II

6. भारत में मजदूर वर्ग पर नई आर्थिक नीति के प्रभाव का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

7. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः

   क) भारतीय लोकतंत्र में जाति
   ख) जैंडर और विकास

8. भारत में क्षेत्रवाद के फैलाव के कारकों की चर्चा कीजिए।

9. भारतीय लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः

    क) पलायन के आर्थिक परिणाम
    ख) भारत में पहचान की राजनीति

एम.पी.ए.-016: विकेन्द्रीकरण और स्थानीय शासन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-016

सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-016
ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2021–22
पूर्णांक : 100

प्रिय छात्र/छात्राओं
इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग में से दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं।

भाग – I

1. भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण के विकास और महत्व की चर्चा कीजिए। **20**
2. सशक्तिकरण सुनिश्चित करने की समस्याओं को उजागर करते हुए सशक्तिकरण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। **20**
3. विकेन्द्रीकरण के राजनीतिक–प्रशासनिक घटकों का वर्णन कीजिए तथा उन्हें सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक उपाय सुझाइए। **20**
4. स्वास्थ्य क्षेत्र में स्थानीय प्राधिकरणों तथा विशिष्ट कार्य अभिकरणों के बीच भागीदारी की जाँच कीजिए। **20**
5. '74वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम 1992, के पश्चात्, नगरपालिकायें आधारभूत स्तर पर स्थानीय स्वशासन की प्रभावशाली संस्थाओं के रूप में कार्य कर रही हैं।' टिप्पणी कीजिए। **20**

भाग – II

6. विकेन्द्रित विकास के प्रभाव की चर्चा कीजिए। **20**
7. संस्थागत क्षमता निर्माण की व्याख्या कीजिए तथा निर्वाचित प्रतिनिधियों/कर्मियों की क्षमता निर्माण के तरीके सुझाइए। **20**
8. विकास योजना की विभिन्न आवश्यकताएं क्या हैं? **20**
9. स्थानीय सरकार की संरचना, शक्तियों और कार्यों की जाँच कीजिए। **20**
10. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। **20**

    क) जन भागीदारी के तौर–तरीके

    ख) सतत् विकास और शासन